posts and promotion of personnel to the higher grades in their Lamp Division at Hyderabad due to continued losses suffered by it; and

(b) whether it is a fact that such ban is not in force for the posts in management cadres ?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF PUBLIC ENTERPRISES IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (PROF. K. K. TEWARY) : (a) There is a general ban on creation of posts, recruitments and promotions in the Lamp Division of HMT for the year 1986-87 in view of its unsatisfactory financial position.

(b) No, Sir.

Production of Synthetic Fibre

2679. SHRI SURAJ PRASAD : Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state :

(a) how many licences have been given for the manufacture of synthetic fibres during the last two years;

(b) what is the total prouction thereof; and

(c) how far it is going to affect the cotton consumption ?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF CHEMICALS AND PETRO-CHEMICALS IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI R. K. JAICHANDRA SINGH) : (a) Four Industrial Licences have been issued for manufacture of Polyester Staple Fibre and Acrylic Fibre during 1985 and 1986 (upto October, 1986).

(b) The total production of Polyester Staple Fibre and Acrylic Fibre (from existing plants) during 1984-85 and 1985-86 was as follows :—

(in tonnes)

	1984-85	1985-86
Polyester Staple Fibre	38970	42806
Acrylic Fibre	20960	23000

(c) The production of synthetic fibre is not likely to adversely affect the cotton consumption.

मध्य प्रदेश को मिट्टी के तेल का आबंटन

@2679क. श्री राधाकिशन मालवीय : क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार ने मिट्टी के तेल का राज्यवार कितना मासिक कोटा आबंटित किया है;

(ख) क्या यह सच है कि मध्य प्रदेश के लिए आबंटित कोटा इसकी वास्तविक मांग को पूरा करने के लिए बहुत कम है; और

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार द्वारा मध्य प्रदेश के मिट्टी के तेल के कोटे में वृद्धि करने की संभावना है?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बूटा बत्त) : (क) शीतकालीन ब्लाक, जिसमें नवम्बर, 1986 से फरवरी, 1987 के महीने शामिल हैं, उसमें राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को किये गये किरासन के आबंटन को दर्शाने वाला विवरण पत्र संलग्न है। (नीचे देखिए)

(ख) और (ग) जी नहीं, तथापि बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए मध्य प्रदेश को शीतकालीन ब्लाक में 27,552 टन प्रतिमास किरासन तेल का आबंटन किया गया है, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में उसे 25,000 टन का आबंटन किया गया था।

@पूर्वत : अतारांकित प्रश्न 2477 जिसे 28 नवम्बर, 1986 से स्थानान्तरित किया गया ।